economy of environment by Robert Boyce. Discuss his contention of that though high inequality of wealth and power affects the rich and poor very differently, yet its impact on the environmental time preference is in similar direction.

रॉबर्ट बॉयस द्वारा पर्यावरण की राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर चर्चा के संदर्भ में "शक्ति भारित सामाजिक निर्णय नियम" की अवधारणा की व्याख्या करें। उनके इस तर्क पर चर्चा करें कि हालांकि धन और शक्ति की उच्च असमानता अमीर और गरीब को बहुत अलग तरह से प्रभावित करती है, फिर भी पर्यावरणीय समय वरीयता पर इसका प्रभाव समान दिशा में है।

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3874 **E**

Unique Paper Code : 12277601

Name of the Paper : Political Economy II (DSE)

Name of the Course : **CBCS B.A. (Hons) Economics**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Ramanujan College Library Kalkaji, New Delhi-110019

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer **Q1** from **Part A** (**15** marks) and any **three** questions from **Part B** (**20** marks each).
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **भाग ए** से किसी **एक** प्रश्न (15 अंक) और **भाग बी** से किन्हीं **तीन** प्रश्नों (प्रत्येक 20 अंक) का उत्तर दें।

3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Part A (Answer **any one**) (15 marks)

भाग ए (किसी **एक** का उत्तर दें) (15 अंक)

1. Write a long note on **any one** of the following :

   (a) The theory of Global Value Chain governance

   (b) The neoconservative turn of the neoliberal states – a causal analysis

   (c) Gender and cooperative conflict

   (d) Financialization, shifts in the ideology and practice of corporate governance pattern and managerial culture

किन्हीं दो देशों के साक्ष्यों का उपयोग करते हुए विश्लेषण करें कि कैसे नवउदारवादी प्रथा को अपनाना आंतरिक गतिकी और बाहरी ताकतों के जटिल परस्पर क्रिया पर निर्भर करता है। क्या आपको लगता है कि वर्ग शक्तियों के आंतरिक संतुलन में बदलाव इस संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं?

7. Analyse how gender has been a crucial dimension both in the construction of new spaces of production (eg. SEZs) and in the new patterns of spatial mobility of labour (migration) under globalisation.

   विश्लेषण करें कि वैश्वीकरण के तहत उत्पादन के नए स्थानों (जैसे एस.ई.जेड.) के निर्माण और श्रम की स्थानिक गतिशीलता (प्रवास) के नए पैटर्न में लिंग एक महत्वपूर्ण आयाम कैसे रहा है।

8. Explain the concept "power weighted social decision rule" in the context of the discussion on the political

5. Discuss the tensions and contradictions inherent in the theory and practices of the neoliberal state. To what extent do these contradictions arise out of a disparity between the declared aims of neoliberalism and its actual motives and consequences?

नवउदारवादी राज्य के सिद्धांत और व्यवहार में निहित तनावों और अंतर्विरोधों की चर्चा कीजिए। नवउदारवाद के घोषित लक्ष्यों और इसके वास्तविक उद्देश्यों और परिणामों के बीच असमानता से ये अंतर्विरोध किस हद तक पैदा होते हैं?

6. Using the evidence from any two countries, analyse, how the adoption of neoliberal practice has depended on a complex interplay of internal dynamics and external forces. Do you think that the changes in internal balance of class forces play an important role in this context?

निम्नलिखित में से किसी **एक** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

(क) वैश्विक मूल्य श्रृंखला शासन का सिद्धांत

(ख) नवउदारवादी राज्यों का नवरूढ़िवादी मोड़ – कारण संबंधी विश्लेषण

(ग) लिंग और सहयोगी संघर्ष

(घ) वित्तीयकरण, कॉरपोरेट गवर्नेंस पैटर्न और प्रबंधकीय संस्कृति की विचारधारा और अभ्यास में बदलाव

Part B (Answer **any three**) (**20** marks each)

भाग बी (किन्हीं **तीन** का उत्तर दें) (प्रत्येक के **20** अंक)

2. Discuss the crucial shifts in the sphere of production, consumption and spatial organisation of economic activities in the transition from Fordism to post-Fordism. Explain how the term "flexibility" can be

interpreted in normatively opposite ways in the context of post-Fordist production and labour processes.

फोर्डवाद से उत्तर फोर्डवाद के परिवर्तन में उत्पादन, उपभोग और आर्थिक गतिविधियों के स्थानिक संगठन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलावों पर चर्चा करें। फोर्डवाद के बाद के उत्पादन और श्रम प्रक्रियाओं के संदर्भ में "लचीलापन" शब्द की व्याख्या मानक रूप से विपरीत तरीकों से कैसे की जा सकती है।

3. How have multinational corporations (MNCs) evolved within the structure of capitalist production? Explain how its multidivisional and multi-country operations are conducive to the necessity of rapid product innovations and as well as increasing the life cycle of the old products.

पूंजीवादी उत्पादन की संरचना के भीतर बहुराष्ट्रीय निगम (एमएनसी) कैसे विकसित हुए हैं? यह समझाऐं कि कैसे इसका बहुविभागीय और बहु-देशीय संचालन तीव्र उत्पाद नवीनीकरण की आवश्यकता के अनुकूल होते हैं और साथ ही पुराने उत्पादों के जीवन चक्र को बढ़ाते हैं।

4. Is informal employment a by-product of underdevelopment and can it be adequately studied through dualistic models? Discuss with reference to the different dimensions of informalisation under globalisation.

क्या अनौपचारिक रोजगार अविकसितता का एक उपोत्पाद है और क्या इसका पर्याप्त अध्ययन द्वैतवादी मॉडल के माध्यम से किया जा सकता है? वैश्वीकरण के अंतर्गत अनौपचारिकीकरण के विभिन्न आयामों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।